दैनिक
पंचकूला ऑब्जर्वर
सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 77 | पंचकूला। वीरवार, 23 अप्रैल 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

सुविचार

तनाव से केवल समस्याएं ही जन्म लेती हैं, समाधान खोजने हैं तो मुस्कुराना ही पड़ेगा।

पंचकूला से शाम लाल बंसल भाजपा के मेयर उम्मीदवार

बीजेपी ने तीन नगर निगम प्रत्याशियों के नाम घोषित किए, अंबाला से अक्षिता सैनी और सोनीपत से राजीव जैन

नगर निकाय चुनाव

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। हरियाणा में नगर निकाय चुनाव को लेकर बीजेपी ने तीन नगर निगम प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं। पंचकूला में श्यामलाल बसंल, सोनीपत से राजीव जैन और अंबाला में अक्षिता सैनी को मौका दिया है।

खास बात ये है कि हरियाणा नगर निगम चुनाव के लिए बीजेपी ने दो वैश्य समुदाय और एक सैनी समुदाय से प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। राजीव जैन और श्यामलाल दोनों ही वैश्य समुदाय से आते हैं। दोनों लंबे समय से भाजपा से जुड़े रहे हैं। वहीं, अक्षिता सैनी के परिवार का जुड़ाव आरएसएस से रहा है। उनके पिता व भाजपा नेता अपनी पत्नी के लिए टिकट मांग रहे थे, लेकिन पार्टी ने बेटी पर भरोसा जताया है।

हालांकि कांग्रेस ने पंजाबी, सैनी और ब्राह्मण का समीकरण बनाया है। कांग्रेस की लिस्ट में सोनीपत नगर निगम के लिए कमल दीवान, अंबाला मेयर के लिए कुलविंद्र कौर, जबकि, पंचकूला नगर निगम सीट के लिए सुधा भारद्वाज को उम्मीदवार घोषित किया गया है। उधर, आम आदमी पार्टी भी नगर निकाय चुनाव के मैदान में कूद प?ी है। पार्टी ने सोनीपत में मेयर पद के प्रत्याशी के लिए सत्यावीर सिंह के नाम की घोषणा की है। वहीं, देर शाम कांग्रेस ने पंचकूला वार्ड मेंबर प्रत्याशियों की भी घोषणा कर दी। 20 सीटों में से 17 के नामों की ही घोषणा की गई है।

तीन विधानसभा चुनाव लड़ चुके पंचकूला मेयर प्रत्याशी बंसल

भाजपा की ओर से घोषित प्रत्याशी श्यामलाल बंसल (70) तीन बार कालका सीट से विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। हालांकि, वह जीत नहीं सके। उनके परिवार ने 1970 में पुराने पंचकूला में किराना स्टोर शुरू किया। बाद में, उन्होंने स्टोन क्रशर का व्यवसाय शुरू किया, जिसके कारण कई सरकारी अनुबंध हुए। यहां तक कि उन्होंने मध्य प्रदेश में एक हवाई अड्डे के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। युवावस्था के शुरुआती वर्षों से संघ से जुड़ा रहा हूं और फिर भाजपा के जिला संगठन में विभिन्न पदों पर काम किया है। दो बार जिला अध्यक्ष रहे हैं

कैबिनेट मंत्री रही कविता जैन के पति हैं राजीव जैन

हरियाणा के सोनीपत के रहने वाले राजीव जैन निगम मेयर उपचुनाव में मेयर बने थे और इस बार दोबारा फिर भाजपा ने उन्हें अपना कैंडिडेट बनाया है। राजीव जैन हरियाणा सरकार में सरकार के पूर्व मीडिया सलाहकार रहे है। कैबिनेट मंत्री और दो बार की विधायक रही कविता जैन के पति हैं। राजीव जैन का जन्म सोनीपत में 12 फरवरी 1964 को हुआ था। उन्होंने राजनीति के अलावा पत्रकारिता जगत में भी 1986 से लेकर 1993 तक काम किया है। उन्होंने बीकॉम तक अपनी पढ़ाई की है। साल 2005 में, उन्होंने एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में आम विधानसभा चुनाव लड़ा और 30 हजार वोटों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। बाद में एचवीपी का कांग्रेस में विलय हो गया था। इसके बाद राजीव जैन ने साल 2007 में बीजेपी की सदस्यता ली। उसके बाद भाजपा से कभी चुनाव नहीं लडा। अब पहली बार भाजपा से सोनीपत मेयर उपचुनाव का इलैक्शन लड़ेंगे।

अंबाला से भाजपा नेता की बेटी पर जताया भरोसा

जानकारी के अनुसार, अंबाला सिटी नगर निगम में मेयर पद के लिए पिता स्वर्ण सैनी अंबाला शहर मंडल के उपाध्यक्ष स्वर्ण सैनी ने अपनी पत्नी के लिए टिकट मांगा था। मगर, पार्टी ने उनकी बेटी अक्षिता सैनी को टिकट दिया। अक्षिता सैनी 32 साल की हैं और 7 साल की बेटी की मां हैं। उनके पति कुलदीप सैनी गुजरात के जामनगर में टीचर हैं। बताया जा रहा है कि परिवार का आरएसएस से पुराना जुड़ाव रहा है। स्वर्ण सैनी पहले

राजीव जैन बोले- इस चुनाव में भी जनता भरपूर आशीर्वाद देगी

सोनीपत नगर निगम मेयर चुनाव का टिकट मिलने के बाद राजीव जैन ने सबसे पहले दैनिक भास्कर के साथ एक्सक्लूसिव बातचीत की। कहा कि पार्टी हाई कमान, सीएम नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली और चुनाव समिति सदस्यों का मुझे दोबारा सोनीपत नगर निगम मेयर पद का प्रत्याशी बनाने के लिए आभार जताता हूं। उन्होंने कहा कि पार्टी की नीतियों पर चलकर ही समाज और शहर की सेवा करने का काम करूंगा। 10 महीने में उन्होंने पूरी तन्मता के साथ शहर के विकास पूरा करने के लिए पूरी लगन से काम किया है और यह उसी का नतीजा है कि पार्टी ने उन पर दोबारा भरोसा जताया है। एक बार फिर कांग्रेस प्रत्याशी कमल दीवान के सामने होने पर उन्होंने कहा कि चुनाव तो चुनाव होता है। मेरा यह विश्वास है कि जनता ने पहले भी आशीर्वाद दिया है और इस चुनाव में भी जनता भरपूर आशीर्वाद देगी।

इधर, कांग्रेस ने जारी की 20 वार्डों के उम्मीदवारों की सूची

पंचकूला। हरियाणा राज्य कांग्रेस कमेटी ने आगामी नगर निगम चुनावों के लिए पंचकूला के 20 वार्डों के उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। यह सूची पार्टी के हरियाणा प्रभारी बीके हरिप्रसाद की मंजूरी के बाद जारी की गई। पंचकूला नगर निगम के विभिन्न वार्डों में कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं, जबकि कुछ वार्डों में उम्मीदवारों के नाम अभी पेंडिंग रखे गए हैं। वार्ड नंबर 1 से स्म्ति पायल सोढ़ी, वार्ड 3 से रजनीश सिंगला, वार्ड 4 से राजीव चौधरी, वार्ड 5 से विजय शर्मा और वार्ड 6 से दर्शन लाल (डी.एल. शर्मा) को उम्मीदवार बनाया गया है। इसके अलावा वार्ड 7 से पंकज बाल्मीकि, वार्ड 8 से उषा रानी, वार्ड 9 से सुरिंदर सिंह और वार्ड 10 से बलजीत सिंह को टिकट दी गई है। महिला आरक्षित वार्डों में वार्ड 11 से अंजू, वार्ड 15 से सरस्वती देवी, वार्ड 18 से अमनदीप कौर और वार्ड 19 से नजमा को उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं वार्ड 2, 14 और 16 के उम्मीदवारों के नाम अभी घोषित नहीं किए गए हैं। सूची में वार्ड 12 से जगजीत सोही, वार्ड 13 से अक्षयदीप चौधरी, वार्ड 17 से मुकेश सिरसवाल और वार्ड 20 से विकास राणा को भी मैदान में उतारा गया है।

एक नजर

बाबा केदारनाथ धाम के कपाट खुले, आस्था का दिखा अद्भुत संगम

देहरादून। केदारनाथ धाम में बुधवार को श्रद्धा, आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब भगवान बाबा केदारनाथ के कपाट विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इस पावन अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी केदारनाथ धाम पहुंचे और पूजा-अर्चना में भाग लिया। कपाट खुलने के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बाबा केदार की विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने संकल्प लेकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से प्रथम पूजा अर्पित की। मुख्यमंत्री ने भगवान भोलेनाथ से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। कपाट खुलने के ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनने के लिए देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु केदारनाथ धाम पहुंचे।

ममता बनर्जी के आचरण ने लोकतंत्र को खतरे में डाल दिया : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को टिप्पणी करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चल रही जांच में कथित हस्तक्षेप से लोकतंत्र खतरे में पड़ गया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे कार्यों को राज्य और केंद्र सरकार के बीच मात्र विवाद कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ आई-पैक के कार्यालय में तलाशी अभियान के दौरान कथित बाधा डालने के आरोप में बनर्जी और पश्चिम बंगाल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ ईडी की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

नगर निगम मेयर चुनाव में आप ने फिर छोड़ा मैदान

नई दिल्ली। दिल्ली की राजनीति में एक बार फिर बड़ा रणनीतिक फैसला सामने आया है। आम आदमी पार्टी (आप) ने आगामी नगर निगम (एमसीडी) मेयर चुनाव नहीं लड़ने का ऐलान किया है। पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि आप भाजपा को दिल्ली में बदलाव करने का एक और मौका दे रही है, ताकि जनता के सामने उनकी कार्यशैली पूरी तरह उजागर हो सके। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पार्टी ने पिछले साल भी यही रणनीति अपनाई थी, ताकि भाजपा अपने चारों इंजन का उपयोग कर सके और काम न करने के लिए कोई बहाना न बना सके।

पंचकूला में सीसीटीवी कैमरे खराब मिलने पर मानवाधिकार आयोग सख्त

पंचकूला ऑब्जर्वर

नगर निगम और पुलिस विभाग से तलब की रिपोर्ट

पंचकूला। हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने पंचकूला शहर में बड़े पैमाने पर सीसीटीवी कैमरों के न चलने के इस गंभीर मामले पर चिंता व्यक्त की है। नगर निगम, पंचकूला द्वारा स्थापित कुल 473 सीसीटीवी कैमरों में से लगभग 200 कैमरे वर्तमान में कार्य नहीं कर रहे हैं, जो निगरानी अवसंरचना का एक बड़ा हिस्सा है। ट्रैफिक पुलिस द्वारा समय-समय पर मरम्मत एवं रख-रखाव हेतु उठाई गई चिंताओं के बावजूद यह समस्या बनी हुई है, जो प्रशासनिक कार्रवाई में विलंब को दर्शाती है।

इसके परिणामस्वरूप इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के माध्यम से जारी किए जाने वाले ट्रैफिक चालानों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। साथ ही इस स्थिति ने कथित रूप से यातायात नियंत्रण एवं कानून प्रवर्तन में एक शून्य उत्पन्न कर दिया है, जिससे उल्लंघनकर्ता बिना किसी भय के नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं तथा विधि के शासन को कमजोर कर रहे हैं। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस ललित बत्रा तथा दोनों सदस्यों कुलदीप जैन और दीप भाटिया को मिलाकर बने पूर्ण आयोग ने इस स्थिति को अत्यंत गंभीर मानते हुए अपने आदेश में कहा है कि इतनी बड़ी संख्या में सीसीटीवी कैमरे का न चलना केवल यातायात प्रबंधन के लिए ही नहीं बल्कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों की सार्वजनिक स्थलों की निगरानी, अपराधियों की पहचान एवं घटनाओं–जैसे चोरी, झपटमारी आदि–पर प्रभावी प्रतिक्रिया देने की क्षमता को गंभीर रूप से प्रभावित करता है, जिससे शहर की समग्र सुरक्षा व्यवस्था कमजोर होती है।

हरियाणा मानव अधिकार आयोग ने यह भी मानता है कि कार्यशील निगरानी प्रणाली (सीसीटीवी कैमरों) के अभाव में कानून का उल्लंघन करने वालों में भय कम हो जाता है, जिससे वे बिना किसी आशंका के नियमों का उल्लंघन कर सकते हैं। यह स्थिति न केवल सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करती है, बल्कि आम नागरिकों में असुरक्षा की भावना भी उत्पन्न करती है। जस्टिस ललित बत्रा की अध्यक्षता वाले पूर्ण आयोग ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सुरक्षा से संबंधित अवसंरचना का उचित रख-रखाव सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। इस संदर्भ में किसी भी प्रकार की लापरवाही नागरिकों के जीवन, सुरक्षा एवं संरक्षा के अधिकार (भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21) पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है, जो कि मानवाधिकारों के उल्लंघन के समान है। उपरोक्त तथ्यों एवं परिस्थितियों के मद्देनजर, यह मामला प्रशासनिक लापरवाही, जवाबदेही की कमी तथा आवश्यक सार्वजनिक अवसंरचना के क्षरण से संबंधित गंभीर चिंता उत्पन्न करता है, जिसका सीधा प्रभाव आम जनता की सुरक्षा एवं संरक्षा पर पड़ता है। अतः यह विषय आयोग के तत्काल ध्यान एवं हस्तक्षेप की अपेक्षा करता है।

निगम और पुलिस विभाग से रिपोर्ट तलब

सामने आए तथ्यों के आधार पर जस्टिस ललित बत्रा की अध्यक्षता वाले पूर्ण आयोग ने आयुक्त, नगर निगम, पंचकूला से रिपोर्ट मांगी है। जिसमें स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कुल संख्या तथा स्थान-वार विवरण, वर्तमान में कार्यशील एवं गैर-कार्यशील कैमरों की संख्या, गैर-कार्यशील होने के कारण, मरम्मत, प्रतिस्थापन अथवा उन्नयन हेतु अब तक उठाए गए कदम, सभी गैर-कार्यशील कैमरों को पुनः चालू करने की निश्चित समय-सीमा, इस लापरवाही के लिए जिम्मेदारी निर्धारित की गई है या नहीं, तथा दोषी अधिकारियों/एजेंसियों के विरुद्ध की गई/प्रस्तावित कार्रवाई के बारे जानकारी देने को कहा गया है। इसी प्रकार, पुलिस आयुक्त, पंचकूला से गैर-कार्यशील सीसीटीवी कैमरों का यातायात प्रवर्तन एवं चालान जारी करने पर प्रभाव, पिछले तीन वर्षों के दौरान चालानों का तुलनात्मक विवरण (मैनुअल बनाम सीसीटीवी आधारित), अपराधों की पहचान, जांच एवं सार्वजनिक स्थलों की निगरानी पर प्रभाव, यातायात नियंत्रण एवं सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु अपनाए गए वैकल्पिक उपाय और निगरानी एवं प्रवर्तन को सुदृढ़ करने हेतु अतिरिक्त आवश्यकताएं, यदि कोई हों, की रिपोर्ट मांगी है। असिस्टेंट रजिस्ट्रार डॉ. पुनीत अरोड़ा ने बताया कि संबंधित अधिकारियों को उपरोक्त बिंदुओं पर अपनी रिपोर्ट आयोग के जांच निदेशक के माध्यम से 20 मई को होने वाली अगली सुनवाई से कम से कम एक सप्ताह पूर्व, आयोग को प्रस्तुत करनी होगी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से चंडीगढ़ के 800 शिक्षकों को मिली राहत

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 22 अप्रैल। चंडीगढ़ के शिक्षा जगत के लिए आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण और खुशी भरा रहा, जब माननीय सुप्रीम कोर्ट ने 2015 बैच के करीब 800 शिक्षकों के नियमितीकरण के पक्ष में ऐतिहासिक निर्णय सुनाया। इस फैसले का अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, चंडीगढ़ इकाई ने जोरदार स्वागत करते हुए इसे शिक्षकों के संघर्ष की बड़ी जीत बताया है।

महासंघ ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि ग्यारह वर्षों के लंबे इंतजार के बाद अब इन शिक्षकों की सेवाएं नियमित मानी जाएंगी, जिससे उनके भविष्य को स्थिरता और सुरक्षा मिलेगी। इस निर्णय के तहत शिक्षकों को लंबित महंगाई भत्ता, एसीपी और पंजाब के अनुरूप रुके हुए वेतनमान का लाभ भी मिलेगा। इसके अलावा, सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के अनुसार मिलने वाले सभी वित्तीय लाभ और एरियर भी अब शिक्षकों को प्राप्त होंगे। प्रोबेशन पीरियड क्लियर होने के साथ ही अन्य सभी विभागीय और सेवा संबंधी लाभों का रास्ता भी साफ हो गया है। अनुमान है कि इस फैसले से प्रत्येक शिक्षक को करीब 25 से 30 लाख रुपये तक का आर्थिक लाभ मिल सकता है। महासंघ ने यह भी कहा कि चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा इस मामले को कैट और हाई कोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट तक ले जाने से अनावश्यक देरी हुई, जिससे अब प्रशासन पर लगभग 250 से 300 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। महासंघ का मानना है कि यदि यह मुद्दा पहले ही सुलझा लिया जाता तो इस बोझ से बचा जा सकता था।

सुप्रीम कोर्ट की अंतिम मुहर के बाद महासंघ ने प्रशासन से अपील की है कि इस निर्णय को बिना किसी देरी के तुरंत लागू किया जाए। महासंघ ने इस लंबी कानूनी लड़ाई में धैर्य बनाए रखने वाले सभी शिक्षकों और उनके परिवारों को बधाई देते हुए कहा कि ये शिक्षक चंडीगढ़ की शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ हैं और प्रशासन को उन पर गर्व होना चाहिए।

प्लास्टिक इस्तेमाल करने वालों पर छापेमारी, जुर्माना

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। पंचकूला और कालका की नगर परिषद में बड़ी कार्रवाई हुई। दोनों जगहों पर स्वच्छता को लेकर गंभीर कदम उठाते हुए अधिकारियों ने प्लास्टिक इस्तेमाल करने वालों और बदहाली पर छापेमारी की।

शहर की प्रमुख किसान सब्जी मंडी में विशेष स्वच्छता एवं प्लास्टिक विरोधी अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य शहर को स्वच्छ, व्यवस्थित एवं प्रदूषण मुक्त बनाना तथा आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण में पंचकूला की रैंकिंग को बेहतर करना है।अभियान के दौरान नगर निगम की टीम ने उन दुकानदारों एवं व्यक्तियों को चिन्हित किया जो खुले में कचरा फेंक रहे थे, प्रतिबंधित पॉलीथिन का उपयोग कर रहे थे तथा स्वच्छता नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। मौके पर ही सख्ती बरतते हुए कुल 18,000 रूपए का जुर्माना वसूला गया। निरीक्षण के दौरान एक होटल संचालक को डिस्पोजेबल सामग्री एवं प्लास्टिक कंटेनर का उपयोग करते हुए पाए जाने पर 10,000 का चालान किया गया। इसके अतिरिक्त कई दुकानदार प्रतिबंधित पॉलीथिन का उपयोग करते पाए गए, जिन पर अलग-अलग चालान किए गए और उन्हें कड़ी चेतावनी दी गई। अभियान के अंतर्गत ग्रीन लाइट लगाने वाले दुकानदारों पर भी कार्रवाई की गई। निगम टीम ने 4 ग्रीन लाइट जब्त कीं तथा 3 दुकानदारों के चालान किए। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार की हरी लाइट से ग्राहकों को भ्रमित किया जाता है, जिससे बाजार में अनुचित प्रतिस्पर्धा एवं अव्यवस्था फैलती है, इसलिए इस पर पूर्ण प्रतिबंध है। इस सख्त कार्रवाई का असर तुरंत देखने को मिला। जहां पहले गंदगी थी, वहीं कार्रवाई के बाद दुकानदार स्वयं अपनी दुकानों एवं आसपास के क्षेत्रों की सफाई करते नजर आए। इससे स्पष्ट है कि सख्ती के साथ-साथ जागरूकता भी सकारात्मक परिणाम दे रही है।

हाईवे बना रणक्षेत्र — सुलतानपुर में हाईवे बना रनवे

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर एयरफोर्स का दमदार युद्धाभ्यास

पंचकूला ऑब्जर्वर

सुल्तानपुर, 22 अप्रैल। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में बुधवार को भारतीय वायुसेना ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बने एयरस्ट्रिप पर व्यापक युद्धाभ्यास और एयर शो का आयोजन किया। यह अभ्यास आपातकालीन परिस्थितियों में राष्ट्रीय राजमार्गों को वैकल्पिक रनवे के रूप में इस्तेमाल करने की क्षमता को परखने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

सुलतानपुर के अरवलकीरी करवत गांव के पास स्थित 3.2 किलोमीटर लंबी एयरस्ट्रिप पर दो दिवसीय इस अभ्यास की शुरुआत हुई। अभ्यास में वायुसेना के अत्याधुनिक लड़ाकू और परिवहन विमानों ने हिस्सा लिया, जिनमें सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000, जगुआर और तेजस जैसे फाइटर जेट शामिल रहे।

इसके अलावा सी-295 और एएन-32 परिवहन विमानों ने भी रनवे पर सफल लैंडिंग और टेकऑफ कर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। अभ्यास के दौरान 'टच एंड गो' ऑपरेशन, दिन और रात में लैंडिंग-टेकऑफ, तथा कमांडो द्वारा स्लिथरिंग ऑपरेशन का प्रदर्शन किया गया। हेलीकॉप्टर के जरिए आपदा राहत और सैन्य कार्रवाई से जुड़े ऑपरेशन का भी अभ्यास किया गया।

एयरस्ट्रिप के आसपास कड़ी सुरक्षा

जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि अभ्यास के मद्देनजर एयरस्ट्रिप के आसपास 4 से 5 किलोमीटर के दायरे में कड़ी सुरक्षा तैनात की गई है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के करीब 12 किलोमीटर हिस्से को सील कर ट्रैफिक डायवर्ट किया गया है। आम लोगों से सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की गई है। एयर शो के दौरान मिराज लड़ाकू विमानों ने सामूहिक उड़ान भरकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। बता दें कि इससे पहले जून 2023 में भी इसी एयरस्ट्रिप पर वायुसेना का अभ्यास किया गया था। वहीं, 16 नवंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया था और भारतीय वायुसेना के हरक्युलिस विमान से इसी एयरस्ट्रिप पर उतरकर इसकी उपयोगिता को प्रदर्शित किया था।

पंजाब में बनेगा बासमती का 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस': सीएम भगवंत मान

नीदरलैंड दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने वहां की आधुनिक कृषि और औद्योगिक व्यवस्थाओं का लिया जायजा

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 22 अप्रैल। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने घोषणा की है कि राज्य में बासमती चावल के लिए एक उच्च स्तरीय 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य फसली विविधता को बढ़ावा देना, किसानों की आय बढ़ाना और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन को कम करना है। नीदरलैंड दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने वहां की आधुनिक कृषि और औद्योगिक व्यवस्थाओं का अध्ययन किया। उन्होंने कहा कि गेहूं-धान के पारंपरिक चक्र से बाहर निकलना समय की मांग है और इसके लिए फसली विविधता को बड़े स्तर पर प्रोत्साहित करना जरूरी है। रॉटरडैम में एलटी फूड्स की सुविधा का दौरा करते हुए मुख्यमंत्री को कंपनी के वैश्विक नेटवर्क और एक लाख से अधिक किसानों के साथ उसके जुड़ाव की जानकारी दी गई। कंपनी ने पंजाब में बासमती के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने, सुनिश्चित खरीद और कम कीटनाशक उपयोग वाली खेती को बढ़ावा देने का भरोसा दिया।

बासमती चावल को बढ़ावा देना जरूरी

मुख्यमंत्री ने रॉटरडैम में एलटी फूड्स की सुविधा का दौरा किया, जहां कंपनी ने 80 से अधिक देशों में अपनी मौजूदगी और एक लाख से अधिक किसानों के साथ मजबूत संबंधों की जानकारी दी। उन्होंने टिकाऊ खेती की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरने के लिए कीटनाशकों के उपयोग में कमी लाना और वैश्विक बाजार में बासमती चावल को बढ़ावा देना जरूरी है। भगवंत सिंह मान के प्रयासों से एलटी फूड्स ने पंजाब में बासमती चावल के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने तथा सुनिश्चित खरीद और कम कीटनाशक उपयोग वाली खेती को बढ़ावा देने का भरोसा दिया।

नीदरलैंड की उन्नत कृषि प्रणालियों को अपनाने के लिए तैयार

भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब, नीदरलैंड की उन्नत कृषि प्रणालियों को अपनाने के लिए उत्सुक है, जिसमें ऑटोमेशन, ए.आई., ड्रोन, डेटा आधारित फसल प्रबंधन के प्रयोग के साथ-साथ ग्रीनहाउस कृषि में नवीनताएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसे कि हम जानते हैं ग्रीनहाउस खेती पानी और ऊर्जा के कुशल उपयोग के साथ उच्च मूल्य वाली फसलों के लिए बेहद उपयुक्त है। उन्होंने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) और वैगेनिंगन यूनिवर्सिटी एंड रिसर्च जैसी प्रमुख डच संस्थाओं के बीच लागू शोध, नवाचार और ज्ञान आदान-प्रदान के लिए संभावित साझेदारी का प्रस्ताव भी रखा। वीएनओ-एनसीडब्ल्यू (कन्फेडरेशन ऑफ नीदरलैंड इंडस्ट्री एंड इम्प्लाइरज के नेतृत्व से मुलाकात के दौरान उन्होंने डच कंपनियों और पंजाब के बीच दीर्घकालिक साझेदारी विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार पैदा होंगे अवसर

भगवंत सिंह मान ने कहा कि अमल में आ रहे भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से व्यापार और निवेश के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब और नीदरलैंड दोनों को आईटी/आईटीईएस, डेयरी, फूड प्रोसेसिंग और आलू उत्पादन सहित कृषि मूल्य श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय लाभ मिल सकता है। मुख्यमंत्री ने डच कंपनियों को पंजाब में जल्द शुरू होने वाले कृषि-तकनीकी और औद्योगिक प्लेटफॉर्मों में भाग लेने का निमंत्रण दिया, जिसमें सीआईआई से जुड़ना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि पंजाब दुनिया भर में निवेश के लिए सबसे पसंदीदा स्थानों में से एक बन रहा है। उन्होंने पंजाब की प्रगतिशील नीति ढांचे, जिनमें औद्योगिक एवं व्यापार विकास नीति-2026 और फास्टट्रैक पंजाब पोर्टल शामिल हैं, के बारे में भी भागीदारों को जानकारी दी।

मान सरकार ने ग्रुप-डी कर्मचारियों को गेहूं हेतु ब्याज मुक्त ऋण देकर आवश्यक जरूरतों के लिए समय पर सहायता सुनिश्चित की: चीमा

- प्रति कर्मचारी 10,340 रुपये, 15 करोड़ रुपये अलॉट; वित्तीय बोझ कम करने के लिए वापसी आसान किस्तों में निर्धारित
- कर्मचारियों को 29 मई तक ऋण राशि निकालने का अधिकार

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़; 22 अप्रैल। कर्मचारियों के कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान सरकार ने प्रदेश भर के ग्रुप-डी कर्मचारियों के लिए गेहूं की खरीद हेतु ब्याज मुक्त ऋण को मंजूरी दे दी है, ताकि घरेलू उपभोग की आवश्यक जरूरतों के लिए वित्तीय सहायता सुनिश्चित की जा सके।

इस फैसले की घोषणा करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, 'मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के

नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने निर्णय लिया है कि पात्र ग्रुप-डी कर्मचारियों को विशेष रूप से गेहूं की खरीद के लिए न्यूनतम 10,340 रुपये की ब्याज मुक्त ऋण राशि प्रदान करना उचित है। इस वित्तीय सहायता की गणना सरकार द्वारा प्रति परिवार औसतन चार क्विंटल गेहूं की खपत के निर्धारित मापदंड पर आधारित है।'

कार्यान्वयन की समय सीमा और बजट सहायता पर प्रकाश डालते हुए, वित्त मंत्री ने आगे कहा, 'ये कर्मचारी 29 मई, 2026 तक सरकारी कोष से इस ऋण राशि को निकालने के अधिकृत होंगे। इस कल्याणकारी उपाय को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 15 करोड़ रुपये के विशेष बजट की व्यवस्था की गई है।'

ऋण की वापसी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताते हुए, उन्होंने जोर दिया कि इस ढांचे को इस प्रकार रेखांकित किया गया है ताकि कर्मचारियों पर वित्तीय बोझ कम किया जा सके। उन्होंने कहा, 'ऋण की वसूली प्रक्रिया को कर्मचारियों पर वित्तीय बोझ कम करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें कटौती आठ मासिक किस्तों के माध्यम से की जाएगी। ये किस्तें जून माह के वेतन से शुरू होंगी, जो जुलाई में प्रदान किया जाता है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि चालू वित्तीय वर्ष के पूरा होने से पहले ऋण की पूरी वसूली हो जाए।' सरकार के कर्मचारी-पक्षपाती दृष्टिकोण की पुनः पुष्टि करते हुए, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने प्रशासन की व्यापक प्रतिबद्धता को उजागर किया। उन्होंने आगे कहा, 'हमारे कर्मचारियों का कल्याण हमारी सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है, और हम उनकी सहायता और वित्तीय समृद्धि को सुनिश्चित करने वाले उपायों को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।'

एक नजर

पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा एन.सी.ए.पी. के तहत 'मिशन क्लीन एयर मंडी गोबिंदगढ़' की शुरुआत

चंडीगढ़। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पी.पी.सी.बी.) ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एन.सी.ए.पी.) के तहत 'मिशन क्लीन एयर' मंडी गोबिंदगढ़ के संबंध में जिला प्रशासन के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक पी.पी.सी.बी. की चेयरपर्सन रीना गुप्ता और सदस्य सचिव डॉ. लवनीत कुमार दुबे की अगुवाई में आयोजित की। इस अवसर पर डिप्टी कमिश्नर डॉ. सोना थिंद और अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर पूजा स्याल सहित नगर परिषद, लोक निर्माण विभाग, एन.एच.ए.आई., पी.एस.आई. ई.सी., वन विभाग तथा जल आपूर्ति एवं सीवरेज विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मंडी गोबिंदगढ़ को निर्धारित एम्बिएंट एयर क्वालिटी मानकों को पूरा न करने के कारण 'नॉन-अटेनमेंट सिटी' के रूप में चिन्हित किया गया है और यह एन.सी.ए.पी. के तहत विशेष ध्यान वाले शहरों में शामिल है। बैठक के दौरान पी.पी.सी.बी. द्वारा फील्ड सर्वे और स्रोत विभाजन (सोर्स अपोर्शनमेंट) अध्ययन के निष्कर्ष प्रस्तुत किए गए, जिनमें सड़क की धूल, वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक अवशेष और ठोस कचरे के अव्यवस्थित प्रबंधन को प्रदूषण के प्रमुख स्रोत बताया गया। इनके आधार पर पी.पी.सी.बी. ने विभिन्न विभागों के लिए समयबद्ध और प्रभावी सिफारिशें दीं, जिनमें सड़कों का सुधार, कचरा प्रबंधन, ट्रैफिक भीड़ कम करना और औद्योगिक उत्सर्जन नियंत्रण शामिल हैं।

जिला रेडक्रॉस ने किया कंप्यूटर सेंटर का उद्घाटन, नाममात्र शुल्क पर प्रशिक्षण की शुरुआत

साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर। जिला रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा जनकल्याण के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों की कड़ी में, उपायुक्त श्रीमती कोमल मित्तल द्वारा आज जिला प्रशासनिक परिसर में बहुत ही वाजिब शुल्क दरों पर एक नए कंप्यूटर सेंटर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने सेंटर का दौरा करते हुए विभिन्न कोर्सों में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों से बातचीत की और इस पहल को जनहित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस कंप्यूटर सेंटर के माध्यम से हर वर्ग के बच्चे, युवा और बुजुर्ग नाममात्र शुल्क पर कंप्यूटर शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जिला रेड क्रॉस सोसायटी सदैव गरीब और जरूरतमंद वर्ग की सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस सेंटर के शिक्षार्थियों में एक पिता-पुत्र की जोड़ी भी शामिल है, जिनमें पिता विजय कुमार सेवानिवृत्ति के बाद और पुत्र विवेक कुमार स्नातक के उपरांत यह कोर्स कर रहे हैं। अतिरिक्त उपायुक्त गीतिका सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि सेंटर में बेसिक कंप्यूटर (3 माह), प्रोफेशनल कंप्यूटर कोर्स (6 माह) तथा प्रोफेशनल टैली अकाउंटेंसी (3 माह) के कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 3 माह के कोर्स की फीस 500 रुपये प्रति माह तथा 6 माह के कोर्स की फीस 1000 रुपये प्रति माह निर्धारित की गई है। इन कोर्सों की टाइमिंग सुबह 10.00 बजे से 11:30 बजे तक तथा 11:30 बजे से 1:00 बजे तक रहेगी। कोर्स पूरा होने पर विद्यार्थियों को आई एस ओ प्रमाणित सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा, जो सरकारी एवं निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा।

कल मनाई जाएगी श्री माता बगलामुखी जयंती

पठानकोट 22 अप्रैल। सिद्ध पीठ श्री माता बगलामुखी मंन्दिर दुर्गा ज्योति भवन, खड्डी पुल पठानकोट में 24 अप्रैल को श्री माता बगलामुखी जी की जयंती मनाई जा रही है। जानकारी देते हुए मुख्य संचालक दीपक मस्ताना ने बताया कि उनके पिताजी प्रेम कुमार मस्ताना द्वारा श्री माता बगलामुखी जी मंदिर की स्थापना 1970 में की गई थी। तभी से प्रत्येक वर्ष वैशाख शुक्ल अष्टमी को सिद्ध पीठ श्री माता बगलामुखी मंन्दिर दुर्गा ज्योति भवन, खड्डी पुल पठानकोट में इस कार्यक्रम का आयोजन उनके परिवार द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष वैशाख शुक्ल अष्टमी 24 अप्रैल दिन शुक्रवार को होने के कारण श्री माता बगलामुखी जयंती 24 अप्रैल 2026 (शुक्रवार) को मनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि मान्यता है कि इस दिन माता पीतांबरा अवतरित हुई थीं, जो शत्रुओं के दमन और बाधाओं के नाश के लिए जानी जाती हैं। इस दिन पीले रंग के वस्त्र, फूल और वस्तुओं का प्रयोग करके विशेष पूजा-अर्चना की जाती है।

सूबे में 57 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद व 7109 करोड़ का भुगतान किया जा चुका: कटारूचक्क

मंत्री कटारूचक्क गुरदासपुर अनाज मंडी पहुंचे, गेहूं खरीद व्यवस्था का लिया जायजा

पंचकूला ऑब्जर्वर

गुरदासपुर, 22 अप्रैल। पंजाब के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक्क आज गुरदासपुर अनाज मंडी पहुंचे और गेहूं खरीद व्यवस्था का जायजा लिया। इस अवसर पर हलका इंचार्ज गुरदासपुर रमन बहल, हलका इंचार्ज दीनानगर समशेर सिंह, श्रीमती अनुप्रीत कौर एसडीएम गुरदासपुर, भारत भूषण शर्मा चेयरमैन मार्केट कमेटी गुरदासपुर और श्रीमती रजनीश कौर डिप्टी डायरेक्टर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग भी मौजूद थीं।

इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा गेहूं का एक-एक दाना खरीदने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि अब तक 61 लाख मीट्रिक टन फसल मंडियों में पहुंची है, जिसमें से 57 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद और 7109 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि बीते कल रिकॉर्ड 12 लाख मीट्रिक टन फसल मंडियों में पहुंची थी। उन्होंने कहा कि गेहूं के आगमन में तेजी आई है और पंजाब भर की मंडियों में रोजाना बड़ी संख्या में फसल पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि मंडियों में किसानों की सुविधा के लिए सुचारू रूप से प्रबंध

किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वे रोजाना विभिन्न जिलों की अनाज मंडियों में जाकर खरीद प्रबंधों का जायजा ले रहे हैं ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की कोई कठिनाई पेश न आए।

श्री कटारूचक्क ने आगे कहा कि इस सीजन में प्रदेश का 122 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदने का लक्ष्य है। उन्होंने मंडी में मौजूद किसानों और आढ़तियों से भी बातचीत की।

गुरदासपुर अनाज मंडी में फसल लेकर पहुंचे गांव बाहिया के किसान हरजिंदर सिंह ने बातचीत के दौरान बताया कि आज सुबह गेहूं लेकर आए थे और आते ही आज ही उनकी ढेरी खरीद ली गई और 24 घंटे के अंदर किसानों को भुगतान करने का वादा पंजाब सरकार द्वारा निभाया जा रहा है ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री कटारूचक्क ने मंडियों में बारदाने की उपलब्धता, लिफ्टिंग, साफ-सफाई और किसानों के लिए पीने के पानी, छाया आदि के प्रबंधों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मंडियों में आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और लिफ्टिंग का काम तेजी से निपटाया जाए।

मान सरकार ने ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों के लिए 123.28 करोड़ की राहत राशि जारी की

चंडीगढ़, 22 अप्रैल। पंजाब के राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन मंत्री स. हरदीप सिंह मुंडियां ने आज बताया कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने हाल ही में राज्य में हुई ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों के नुकसान की भरपाई के लिए किसानों को 123.28 करोड़ रुपये से अधिक की राहत राशि मंजूर की है।

उन्होंने बताया कि विभिन्न ज़िला प्रशासनों द्वारा गिरदावरी का कार्य पूरा होते ही राज्य सरकार ने तुरंत कार्रवाई शुरू की ताकि प्रभावित किसानों को समय पर मुआवज़ा मिल सके और वे कटाई के मौसम में हुए अप्रत्याशित नुकसान से उबर सकें। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि 7 ज़िलों के 111 गांवों में 92,695 एकड़ क्षेत्र में हुई फसल क्षति के लिए कुल 1,23,28,05,938 रुपये की राहत राशि स्वीकृत की गई है। इसमें 26 से 32 प्रतिशत नुकसान वाले 992 एकड़, 33 से 75 प्रतिशत नुकसान वाले 61,115 एकड़ तथा 76 से 100 प्रतिशत तक क्षतिग्रस्त 30,588 एकड़ क्षेत्र शामिल है। उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार इस कठिन समय में किसानों के साथ मज़बूती से खड़ी

है और यह सुनिश्चित कर रही है कि प्राकृतिक आपदाओं से उत्पन्न आर्थिक संकट को त्वरित हस्तक्षेप के ज़रिए कम किया जा सके।'

उन्होंने आगे बताया कि प्रभावित ज़िलों में फाजिल्का को सबसे अधिक लगभग 44.24 करोड़ रुपये, श्री मुक्तसर साहिब को करीब 43.01 करोड़ रुपये, बठिंडा को लगभग 22.83 करोड़ रुपये, मोगा को 7.73 करोड़ रुपये और अमृतसर को 5.26 करोड़ रुपये से अधिक की राहत राशि जारी की गई है। इसके अलावा फिरोज़पुर और रूपनगर ज़िलों के किसानों के लिए क्रमशः लगभग 17.10 लाख रुपये और 1.35 लाख रुपये का मुआवज़ा स्वीकृत किया गया है।

541 स्थानों पर छापेमारी; 254 गिरफ्तार

चंडीगढ़, 22 अप्रैल। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू की गई निर्णायक मुहिम 'गैंगस्टरां ते वार' के 92वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित और मैप किए गए 541 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरां ते वार' पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक जंग है, जिसकी शुरुआत 20 जनवरी 2026 को पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष अभियान चला रही हैं। उन्होंने बताया कि 92वें दिन पुलिस टीमों ने चार हथियारों सहित 254 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे अभियान की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 23,140 हो गई है। इसके अलावा 79 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई है, जबकि 61 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया।

24 अप्रैल को होगी सिविल डिफेंस एयर रेड-ब्लैकआउट मॉक एक्सरसाइज

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 22 अप्रैल। राज्य में सिविल डिफेंस संबंधी तैयारियों की परख के उद्देश्य से पंजाब में 24 अप्रैल, 2026 को शाम 8 बजे सिविल डिफेंस एयर रेड/ब्लैकआउट मॉक एक्सरसाइज करवाई जाएगी। यह एक्सरसाइज भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार राज्य के सभी जिलों में करवाई जा रही है। यह मॉक एक्सरसाइज एक एयर रेड चेतावनी सिग्नल के साथ शुरू होगी, जिसके दौरान दो मिनट की अवधि के लिए हाई-लो पिच सायरन बजाए जाएंगे। इस अभ्यास के दौरान संबंधित डिप्टी कमिश्नर-कम-कंट्रोलर, सिविल डिफेंस द्वारा चिन्हित विशेष क्षेत्रों में एक सिम्युलेटेड ब्लैकआउट लागू किया जाएगा। इन चिन्हित क्षेत्रों में आम लोगों को ब्लैकआउट अवधि के दौरान सभी गैर-जरूरी लाइटें बंद करने के निर्देश होंगे, जबकि ड्रिल के दौरान सभी आवश्यक सेवाएं पूरी तरह कार्यशील रहेंगी। यह एक्सरसाइज एक ÷ऑल क्लियर÷ सिग्नल के साथ समाप्त होगी, जिसके तहत हाई-पिच सायरन लगातार दो मिनट तक बजाया जाएगा, जो एक्सरसाइज की औपचारिक समाप्ति को दर्शाएगा।

इस मॉक अभ्यास के दौरान विभिन्न आपातकालीन कार्यों जैसे फायर रिस्पांस ऑपरेशन, खोज एवं बचाव कार्य, फर्स्ट-एड और चिकित्सीय सहायता, घायल व्यक्तियों को सुरक्षित निकालना, साथ ही ट्रैफिक और भीड़ नियंत्रण उपायों के माध्यम से फील्ड समन्वय की जांच की जाएगी।

राज्य सरकार ने आम लोगों से अपील की है कि इस दौरान घबराने की बिल्कुल आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह एक नियमित प्रक्रियात्मक अभ्यास है, जो राज्य में सिविल डिफेंस तैयारियों का मूल्यांकन करने और उन्हें बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है।

शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक, लाखों के बिल वाले मरीज अब बिना कोई भुगतान किए अस्पताल से इलाज लेकर वापस घरों को लौट रहे

- शहरों और छोटे कस्बों में 40 लाख से अधिक पंजीकरणों के साथ, पंजाब की स्वास्थ्य योजना की पहुंच लगातार बढ़ रही है

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब का स्वास्थ्य क्षेत्र एक क्रांतिकारी बदलाव के दौर से गुजर रहा है। पंजाब सरकार के वादे के अनुसार हर परिवार को सुगम, किफायती और सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। कई सालों से उच्च इलाज दरों के कारण मरीज इलाज में देरी करने को मजबूर होते रहे, मेडिकल टेस्टों को टालते रहे या दवाइयां बीच में ही छोड़ देते थे, जिससे परिवार कर्जे के नीचे आ जाते थे और स्वास्थ्य परिणाम भी प्रभावित होते थे। यह हालत, जो शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में व्यापक थे, अब धीरे-धीरे बदल रही है। इस बदलाव के केंद्र में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना है,

जो भगवंत मान सरकार की प्रमुख पहल है और तेजी से लोगों की स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को बढ़ा रही है। केवल तीन महीनों में 40 लाख से अधिक हेल्थ-कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जो हर परिवार को वार्षिक 10 लाख रुपये तक का कवर देते हैं। इस योजना को बड़े पैमाने पर अपनाने से इसकी आवश्यकता और इसमें लोगों के भरोसे का पता चलता है। 21 अप्रैल को 28,766 पंजीकरण हुए, जो यह संकेत देते हैं कि स्वास्थ्य प्रणाली अब और अधिक जवाबदेह, समावेशी और लोक-केंद्रित बन रही है।

जिलों में इस योजना का सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे रहा है। लुधियाना 4.20 लाख कार्डों के साथ सबसे आगे है, इसके बाद पटियाला (3.82 लाख) और जालंधर (2.85 लाख) हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस योजना की पहुंच केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रही। होशियारपुर, अमृतसर, मानसा, फाजिल्का और बरनाला जैसे टायर-2 और टायर-3 जिलों में भी इसका उपयोग लगातार बढ़ रहा है, जो दर्शाता है कि सरकार की यह स्वास्थ्य पहल छोटे कस्बों तक तेजी से पहुंच रही है, जहाँ इसकी सबसे अधिक आवश्यकता थी।

इस बदलाव की सबसे बड़ी पुष्टि जमीनी स्तर से दिखाई दे रही है। उप-मंडलीय अस्पताल खन्ना के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनिंदर सिंह भसीन कहते हैं, स्वास्थ्य सेवा किसी विशेष अधिकार की तरह नहीं होनी चाहिए। पहले कवरेज सीमित थी, लेकिन अब हर निवासी को शामिल किया गया है। वे आगे बताते हैं, हाल के महीनों में हमने 200 से अधिक गॉलब्लैडर (पित्ते की) सर्जरी की हैं। आम तौर पर इसकी लागत 40,000 से 80,000 रुपये होती है, लेकिन मरीजों को इस योजना के अंतर्गत कोई भुगतान नहीं करना पड़ा। वे कहते हैं, घुटने और कूल्हे की रिप्लेसमेंट, जिनकी लागत 1 लाख रुपये से अधिक है, अब रोजमर्रा के आधार पर मुफ्त हो रही हैं। हम हर रोज लगभग 10 सर्जरी करते हैं, वह भी सभी कैशलेस। आपातकालीन देखभाल के बारे में डॉ. भसीन बताते हैं, एस-टी एलिवेशन मायोकार्डियल इन्फार्कशन (एसटीईएमआई) हार्ट-अटैक में हर मिनट महत्वपूर्ण होता है। टेनेक्टेप्लाज़ नाम की थ्रोम्बोलिटिक दवा (खून के थक्कों को घोलने वाली), जो हार्ट-अटैक के दौरान खून के थक्कों को तेजी से घोलने के लिए उपयोग की जाती है, से हम खून का प्रवाह जल्दी बहाल करते हैं और अब तक हमने करीब 100 मरीजों की जान बचाई है। हर सर्जरी के पीछे लोगों को 1-1.5 लाख रुपये की बचत हो रही है। पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने इस योजना के उद्देश्य के बारे में बात करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवा मरीज की भुगतान क्षमता पर निर्भर नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत हर परिवार को वार्षिक 10 लाख तक का कवर मिल रहा है।

इलाज से जुड़े फैसले खर्च के आधार पर नहीं, बल्कि आवश्यकता के आधार पर लिए जाएं

भगवंत मान सरकार केवल स्वास्थ्य ढांचे का विस्तार नहीं कर रही, बल्कि नागरिकों और प्रणाली के बीच संबंधों को भी पुनर्परिभाषित कर रही है। आर्थिक बाधाओं को दूर करके यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि इलाज से जुड़े फैसले खर्च के आधार पर नहीं, बल्कि आवश्यकता के आधार पर लिए जाएं। पंजाब भर के डॉक्टरों का कहना है कि सबसे बड़ा बदलाव मनोवैज्ञानिक स्तर पर है—डर में स्पष्ट रूप से कमी आई है और अब परिवार हालात खराब होने तक इंतजार करने की बजाय बीमारी के शुरुआती लक्षणों पर ही इलाज लेने के लिए आगे आ रहे हैं। यह वह प्रशासन है जो सीधे लोगों के जीवन में बड़े और सुधारात्मक बदलाव ला रहा है। यह वह सुधार है जो मान-सम्मान को पुनः स्थापित करता है; और यह भगवंत मान सरकार है, जो स्वास्थ्य सेवाओं को विशेष अधिकार नहीं, बल्कि एक अधिकार के रूप में सुनिश्चित कर रही है।

आग लगने से 16 बीघा गेहूं की पराली राख

बनूड़, 22 अप्रैल। बनूड़ के पास खेड़ी गुरना गांव में बिजली की तारों में स्पार्किंग से 16 बीघा गेहूं की पराली जलकर राख हो गई। खेड़ी गुरना गांव के रहने वाले पीड़ित किसान जसवीर सिंह ने बताया कि आज दोपहर मोही कला ग्रिड से गांव के पास बनी आटा चक्की को जाने वाली बिजली की तारों में अचानक स्पार्किंग हुई, जिससे उनके पास जानवरों के चारे के लिए छोड़ी गेहूं की पराली में आग लग गई।

उन्होंने बताया कि जब उन्हें इस घटना का पता चला तो वह मौके पर पहुंचे और वहां से गुजर रहे राहगीरों ने आग पर काबू पाना शुरू किया। पीड़ित किसान ने बताया कि इस दौरान फायर ब्रिगेड और तेपला पुलिस चौकी को सूचना दी गई। उन्होंने बताया कि आग को और फैलने से रोकने के लिए ट्रैक्टर से खेत की जुताई करवाई गई। बड़ी संख्या में गांव वाले, तेपला चौकी इंचार्ज जसविंदर सिंह पुलिस पार्टी और फायर ब्रिगेड की गाड़ी के साथ मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड के जवानों ने काफी देर की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

गुमशुदगी के मामले में सनसनीखेज खुलासा

नसीब कुमार की हत्या कर नहर में फेंका शव, मृतक की पत्नी सहित आरोपी गिरफ्तार

पंचकूला ऑब्जर्वर

टोहाना, 22 अप्रैल। जाखल पुलिस ने एक अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझाते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। थाना जाखल पुलिस ने गांव साधनवास से लापता हुए नसीब कुमार की हत्या के मामले में मृतक की पत्नी सहित एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों की पहचान श्रवण कुमार पुत्र भोला यादव (निवासी साधनवास, हाल निवासी व्यास कॉलोनी, जाखल) तथा पूजा पत्नी नसीब कुमार (निवासी साधनवास) के रूप में हुई है।

डीएसपी टोहाना श्री जयभगवान ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 5 मार्च 2026 को रघुनाथ कुमार निवासी साधनवास ने थाना जाखल में शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसका छोटा भाई नसीब कुमार 2 मार्च की सुबह से लापता है। इस पर पुलिस ने तुरंत भारतीय न्याय संहिता की धारा 127(6) के तहत गुमशुदगी का मामला नंबर 27/2026 दर्ज कर तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान गठित पुलिस टीम ने जब मामले की गहनता से पड़ताल की और तकनीकी साक्ष्य जुटाए, तो यह मामला गुमशुदगी का न होकर हत्या का निकला। इसके बाद मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 3(5) तथा 238(ए) जोड़ी गई। पुलिस ने संदेह के आधार पर मृतक की पत्नी पूजा तथा श्रवण कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें दोनों ने मिलकर नसीब कुमार की गला दबाकर हत्या करना स्वीकार किया। आरोपियों ने साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को पत्थरों से बांधकर भाखड़ा नहर में फेंक दिया था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें माननीय न्यायालय में पेश कर रिमांड हासिल किया जाएगा, ताकि हत्या में प्रयुक्त साधनों तथा अन्य महत्वपूर्ण सबूतों की बरामदगी की जा सके। मामले में नियमानुसार कार्रवाई जारी है।

सूबे में ग्रुप डी कर्मचारियों के प्रमोशन के लिए लाया जाएगा हरियाणा क्लेरिकल सर्विसेज बिल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हरियाणा मंत्रिमंडल की गुरुग्राम में हुई अहम बैठक

पंचकूला ऑब्जर्वर

गुरुग्राम, 22 अप्रैल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में बुधवार को गुरुग्राम में मंत्रिमंडल की बैठक हुई, जिसमें 27 अप्रैल, 2026 को हरियाणा विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का निर्णय लिया गया। इस सत्र में ग्रुप डी कर्मचारियों के प्रमोशन के लिए हरियाणा क्लेरिकल सर्विसेज़ बिल लाया जाएगा।

बैठक के उपरांत मुख्यमंत्री ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मंत्रिमंडल की बैठक में कॉमन कैडर के ग्रुप- डी कर्मचारियों के प्रमोशन के लिए ज़रूरी नियम बनाने पर सहमति बनी है। कॉमन कैडर ग्रुप-डी कर्मचारियों ने पांच साल से ज़्यादा की सर्विस पूरी कर ली है और वे क्लर्क के पद पर प्रमोशन के लिए एलिजिबल हो गए हैं। इसलिए, बैठक में हरियाणा क्लेरिकल सर्विसेज (रिक्रूटमेंट एंड कंडीशंस ऑफ सर्विस) बिल, 2026 के मसौदे को मंजूरी दी गई है। ड्राफ्ट बिल में क्लर्क के पद के लिए ग्रुप डी से प्रमोशन के कोटे को 20 प्रतिशत से 30 प्रतिशत करने का प्रावधान किया गया है। साथ ही, 5 प्रतिशत एक्स ग्रेशिया पद रखने की अनिवार्यता भी नियमों में शामिल की गई है।

एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी ने देखा कि लोकसभा में कैसे विपक्षी दलों ने भारत की नारी शक्ति की उ?ान को रोका, उसके सपनों को बेरहमी से कुचला। संसद में जो कुछ हुआ, उसने कांग्रेस और उनके सहयोगियों का असली चेहरा देश के सामने उजागर कर दिया है। इन दलों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जब बात महिलाओं को अधिकार देने की आती है, तो उनका असली चरित्र महिला-विरोधी और सत्ता का लोभी हो जाता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति विपक्ष की संकीर्ण सोच उजागर हुई है। वे महिलाओं को चारदीवारी में बंद रखना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि आज देश की महिलाएं उद्योग, चिकित्सा, शिक्षा, कृषि और खेल जैसे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। बेटियां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ा रही हैं, वहीं महिलाएं सेना में भी देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के सशक्तिकरण को एक मिशन के रूप में आगे बढ़ाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का भारत महिलाओं के नेतृत्व और सहभागिता से नई ऊंचाइयों को छू रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है, जिसके परिणामस्वरूप आज महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2015 में पानीपत की भूमि से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत की थी। इस अभियान को हमने गंभीरता से लिया और समाज की सोच को बदलने का काम किया। पिछले साढ़े 11 वर्षों में महिलाओं के सशक्तिकरण की यह यात्रा निरंतर जारी है और यह परिवर्तन केवल मजबूत नेतृत्व से ही संभव हो पाया है।

रोड सेफ्टी को लेकर सख्ती—सभी सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने और स्कूल बसों की जांच के निर्देश

पंचकूला ऑब्जर्वर

मुलाना, 22 अप्रैल। लघु सचिवालय बराड़ा में उपमंडल अधिकारी सतीन्द्र सिवाच की अध्यक्षता में रोड सेफ्टी को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया और क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए।

बैठक के दौरान एसडीएम सतीन्द्र सिवाच ने सभी संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि क्षेत्र की सभी सड़कों को गड्ढामुक्त बनाया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क पर गड्ढे दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण बनते हैं, इसलिए समयबद्ध तरीके से इनकी मरम्मत सुनिश्चित की जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग सहित अन्य एजेंसियों को निर्देशित किया कि वे सड़कों का सर्वे कर तुरंत आवश्यक कार्यवाही करें और रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

इसके अलावा, बैठक में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्राइवेट स्कूल बसों की नियमित जांच करने के निर्देश भी दिए गए। एसडीएम ने बताया कि इस कार्य के लिए एक विशेष कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें खंड शिक्षा अधिकारी बराड़ा और तहसीलदार बराड़ा को शामिल किया गया है। यह कमेटी स्कूल बसों की फिटनेस, ड्राइवर के लाइसेंस, ओवरलोडिंग और अन्य सुरक्षा मानकों की जांच करेगी।

उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि यदि किसी भी स्कूल बस में नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, बस चालकों को भी यातायात नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

शिक्षा समाज के विकास का मार्गदर्शन करने वाला ताकतवर साधन: रामचंद्र जडौला

पंचकूला ऑब्जर्वर

कैथल, 22 अप्रैल। हैफेड के पूर्व डायरैक्टर एवं प्रसिद्ध समाजसेवी रामचंद्र जडौला ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से हर नागरिक समाज की भलाई और प्रगति को बढ़ाने में अपना योगदान दे सकता है और दे भी रहा है।

शिक्षा हर व्यक्ति के जीवन में एक प्रकार की दिशा प्रदान करती है जो सोचने और समझने का तरीका बदलता है, इसलिए हर क्षेत्र में शिक्षा के महत्व को समझाना और उसके प्रति जागरूकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। ढांड में अपने प्रतिष्ठान पर एक भेंटवार्ता में बातचीत करते हुए समाजसेवी रामचंद्र जडौला ने कहा कि शिक्षा न केवल ज्ञान का स्रोत होती है, बल्कि यह व्यक्ति को आत्म-समर्पण, उत्कृष्टता, और समाज के प्रति दायित्व की भावना देती है। शिक्षित व्यक्ति अपने समाज में एक सकारात्मक बदलाव की शुरुआत कर सकता है। इसीलिए शिक्षा को समाज के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण साधन माना जाता है। रामचंद्र जडौला ने कहा कि शिक्षा के प्रति समाज की ध्यानाकर्षण की आवश्यकता है। बहुत से लोग शिक्षा को केवल पढ़ाई और परीक्षा से सीमित समझते हैं, जबकि यह वास्तव में व्यापक होने चाहिए। एक जागरूक समाज उसके लोगों को इस बात की जानकारी देता है कि शिक्षा उनके संपूर्ण व्यक्तित्व और समाजिक उत्थान के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। हैफेड के पूर्व डायरैक्टर रामचंद्र जडौला ने कहा कि शिक्षा के लिए हर क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। शिक्षा के महत्व को समझने और उसे समाज में लागू करने के लिए सभी स्तरों पर सक्रिय सहभागिता की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना होगा कि हर व्यक्ति को समझाया जाए कि शिक्षा केवल एक पढ़ाई का साधन नहीं है, बल्कि एक समाज के विकास का मार्गदर्शन करने वाला ताकतवर साधन है।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने जनसमस्याएं सुनी

पंचकूला ऑब्जर्वर

टोहाना, 22 अप्रैल। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने बुधवार को अपने निवास पर पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को सुना और उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। जनसंवाद के दौरान सांसद ने क्षेत्रवासियों से आत्मीय मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने नागरिकों द्वारा रखी गई विभिन्न प्रशासनिक एवं विकास कार्यो से जुड़ी बातों को ध्यानपूर्वक सुना। समस्याओं के शीघ्र निवारण हेतु उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि आमजन को सरकारी सेवाओं का लाभ बिना किसी असुविधा के सरलता से प्राप्त हो सके।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि वर्तमान सरकार जनसेवा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना है, ताकि कोई भी पात्र नागरिक सरकारी सुविधाओं से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए सरकार जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सरकार विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा आप सभी के सुख-दुख में साथ रहना और आपकी हर समस्या को अपनी जिम्मेदारी मानकर उसका समाधान करना ही मेरे जीवन का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास ही मेरी ताकत है और जनसेवा ही मेरा परम धर्म है।

प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक जनहितैषी बनाने के उद्देश्य से सांसद ने संबंधित अधिकारियों को दूरभाष पर निर्देश दिए कि जनकार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से नागरिकों की समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, पार्टी पदाधिकारी और क्षेत्र के नागरिक मौजूद रहे।

एक नजर

भाजपाई नौटंकी से मंडियों में हाहाकार : सुरजेवाला

कैथल। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव एवं राज्य सभा सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला व कैथल विधायक आदित्य सुरजेवाला ने कैथल की अतिरिक्त अनाज मंडी का दौरा कर किसानों की समस्याएं सुनीं और भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कैथल जिले सहित हरियाणा की की मंडियों में गेंहू की आवक जोरों पर है। लेकिन प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों, खेत मजदूरों, आढ़तियों और मंडी मजदूरों के साथ लगातार अन्याय कर रही है। सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि सरकारी खरीद व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने कहा कि सरकारी खरीदी की नौटंकी के चलते हरियाणा की मंडियों में हाहाकार मचा हुआ है। मंडियां गेहूं से भरी हैं, लेकिन किसानों की जेब खाली है। सुरजेवाला ने कहा कि प्रदेशभर में लगभग 78.68 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है, लेकिन खरीद और उठान की धीमी गति के कारण किसान, मजदूर और आढ़ती सभी परेशान हैं। उन्होंने दावा किया कि करीब 18 लाख मीट्रिक टन गेहूं अभी भी खरीद के इंतजार में खुले में पड़ा है, जबकि 37 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं उठान न होने के कारण मंडियों में जमा है। कैथल जिले का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि यहां 6.15 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद के मुकाबले केवल 2.61 लाख मीट्रिक टन का ही उठान हो पाया है। सुरजेवाला ने नायब सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि बायोमेट्रिक, सर्वर और ट्रैक्टर नंबर जैसी अनिवार्य शर्तों ने किसानों के लिए नई परेशानियां खड़ी कर दी हैं। उन्होंने इसे तानाशाही फरमान बताते हुए कहा कि इससे छोटे और सीमांत किसानों को सबसे ज्यादा नुकसान हो रहा है।

3 मई को मनाएंगे भगवान परशुराम प्रकटोत्सव

उचाना मंडी, 22 अप्रैल। ब्राह्मण धर्मशाला उचाना में 27 अप्रैल को निर्धारित भगवान परशुराम प्रगट उत्सव कार्यक्रम आयोजन कमेटी द्वारा 3 मई को धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति के प्रवक्ता प्रमोद अत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री द्वारा विधानसभा के स्पेशल सत्र में हिस्सा लेने के कारण कार्यक्रम स्थगित करते हुए 3 मई को निर्धारित किया गया है। इसके लिए प्रत्येक गांव में निमंत्रण पत्र देने के लिए अलग-अलग टीमों का गठन कर लिया गया है ताकि भगवान परशुराम प्रगट उत्सव कार्यक्रम उत्सव के रूप में मनाया जा सके। इस अवसर पर देवेंद्र मंगलपुर, मनोज अलीपुरा, अजय अलीपुरा, मनीष काब्रच्छा, रमेश काकडोद, प्रदीप भौगरा मौजूद रहे

गुरु अर्जुन देव जी का शहीदी पर्व 18 जून को

करनाल। गुरुद्वारा डेरा कारसेवा के प्रमुख बाबा सुक्खा सिंह के सहयोग से गुरुपर्व प्रबंधक कमेटी द्वारा सिखों के पांचवे गुरु गुरु अर्जुन देव जी महाराज का शहीदी पर्व 18 जून को डेरा कारसेवा गुरुद्वारा में मनाया जाएगा। इस अवसर पर गुरमत समागम सुबह नौ बजें से किया जाएगा। इसमें देश भर से आए रागी ढाडी जत्थे गुरु की महिमा का गुणगान करेंगे। इस अवसर पर अटूट लंगर बरता जाएगा। यह जानकारी गुरुपर्व प्रबंधक कमेटी केप्रधान वरिंदर सिंह तथा महासचिव इंद्रपाल सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इसके लिए तैयारी की जा रही ळैं। अठारह जून को आयोजित किए जाने वाले शहीदी पर्व के दौरान सुबह नौ बजे से साढ़े तीन बजे तक तथा शाम छह बजे से साढे नौ बजे तक गुरमत समागम होगा। इसमें देश के विभिन्न भागों से रागी ढाडी जत्थे तथा कीर्तन जत्थे पहुंच रहे हैं। इस दौरान गुरु का अटूट लंगर बरता जाएगा।

उचाना मंडी में 1268977 क्विंटल गेहूं की हुई मंडी में आवक

पंचकूला ऑब्जर्वर

उचाना मंडी, 22 अप्रैल। गेहूं की आवक अब कम होने लगी है। अब तक 1268977 क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है। 16402 गेट पास कट चुके है। 1075080 क्विंटल की खरीद हो चुकी है तो 198993 क्विंटल का उठान हो चुका है। खरीद गई गेहूं में से 876087 क्विंटल का उठान नहीं हुआ है। गेहूं उठान की रफ्तार अब तक धीमी है। आढ़ती, किसान संगठन उठान में तेजी लाने की मांग कर रहे है।

मार्केट कमेटी में दर्ज आंकड़ों के अनुसार अब तक उचाना मंडी में वेयर हाऊस, हैफेड द्वारा 751094 क्विंटल, छात्तर सब यार्ड में हैफेड, खादय आपूर्ति विभाग द्वारा 151158 क्विंटल, घोघडि?ा परचेज सेंटर पर डीएफएससी ने 110173 क्विंटल, काब्रच्छा में वेयर हाऊस ने 50819 क्विंटल, धनखड़ी में डीएफएससी ने 11836 क्विंटल गेहूं की खरीद की है। अब तक 16402 गेट पास में से सबसे अधिक उचाना मंडी में 11801 गेट पास कटे है तो छात्तर सब यार्ड में 2027, घोघडि?ा परचेज सेंटर पर 1399, काब्रच्छा में 989, धनखड़ी में 186 गेट पास कटे है। 15551 गेट पास बायोमेट्रिक हो चुके है। 851 गेट पास बिना बायोमेट्रिक है। मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेंद्र खरकभूरा ने कहा कि किसी तरह की परेशानी खरीद में आढ़तियों , किसानों को नहीं आने दी गई। उठान में तेजी हो इसको लेकर विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री निरंतर अधिकारियों से बातचीत कर रहे है। उठान को लेकर हर रोज वो रिपोर्ट भी ले रहे है। उठान में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए है।

हरियाणा ने पब्लिक हेल्थ केयर क्वालिटी में राष्ट्रीय मानकों को किया पार, 2026 तक 100 प्रतिशत प्रमाणीकरण का लक्ष्य

चंडीगढ़, 22 अप्रैल। हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि हरियाणा ने सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस प्रोग्राम और कायाकल्प अवार्ड इनीशिएटिव्स के तहत राष्ट्रीय मानकों को पार कर लिया है।

डॉ. सुमिता मिश्रा ने यह बात आज चंडीगढ़ में विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में कही।

उन्होंने बताया कि हरियाणा स्टेट हेल्थ रिसोर्स सेंटर ने 1,560 सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों को प्रमाणित किया है, जिससे 57 प्रतिशत सर्टिफिकेशन दर हासिल हुई है। यह दिसंबर, 2025 के लिए निर्धारित 50 प्रतिशत लक्ष्य से काफी अधिक है। नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन के तहत हरियाणा देश के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में शामिल हो गया है। यह कार्यक्रम स्टैंडर्ड हेल्थ केयर डिलीवरी पक्का करता है, साथ ही प्रमाणीकरण पाने वाले संस्थान को वित्तीय प्रोत्साहन भी देता है।

डॉ मिश्रा ने बताया कि राज्य ने इस दिशा में कई राष्ट्रीय उपलब्धियां भी हासिल की हैं। पंचकूला का जिला सिविल अस्पताल अप्रैल, 2017 में देश का पहला एनक्यूएएस प्रमाणित जिला अस्पताल बना। इसके बाद फरवरी 2018 में कृष्णा नगर, गामरी स्थित अर्बन प्राइमरी हेल्थ सेंटर देश का पहला प्रमाणित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बना। जून 2022 में फरीदाबाद का जिला सिविल अस्पताल देश का पहला 'मुस्कान' प्रमाणित जिला अस्पताल बनकर पहचान बनाई, जबकि जून 2024 में सोनीपत के रायपुर स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपकेंद्र को देश का पहला वर्चुअली असेस्ड एवं प्रमाणित केंद्र बनने का गौरव प्राप्त हुआ।

निगम कर्मचारियों का तबादले रद्द की मांग को लेकर धरना जारी

उचाना मंडी। बिजली निगम कार्यालय में बिजली निगम कर्मचारियों द्वारा एसडीओ उचाना जोजो तनेजा सहित तीन के तबादले रद्द करने की मांग को लेकर 16वें दिन धरना जारी रखा। अध्यक्षता जोगिंद्र अलेवा ने की। एवीकेएएसएच जिला अध्यक्ष मोती मोर ने कार्यकारिणी के साथ पहुंच कर धरने का समर्थन किया। संचालन कमलदीप श्योकंद ने किया।

सुभाष करसिंधु, नरेंद्र जेई, दीपक, विपिन जेई ने कहा कि जो तबादले किए गए है वो पूरी तरह से राजनीति दबाव के चलते किए गए है। निगम के अधिकारी बिजली चोरी रोकने के निर्देश देते है। बिजली चोरी रोकने टीम जाती है तो उस पर झूठे आरोप लगा कर उनके तबादले करवा दिए जाते है। ऐसे में कैसे कर्मचारी कार्य कर सकेंगे। जब तक जो तबादले हुए है वो रद्द नहीं होते धरना जारी रहेगा।

आने वाले दिनों में कोई बड़ा फैसला भी धरने पर लिया जा सकता है।

टीचर ट्रेनिंग और बच्चों की लर्निंग पर समान फोकस जरूरी: वर्षा खांगवाल

- शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष फोकस के दिए निर्देश
- पॉडकास्ट के माध्यम से अच्छे शिक्षकों को मंच देने का दिया सुझाव

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 22 अप्रैल। हरियाणा स्कूल शिक्षा प्रोजेक्ट परिषद की स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्रीमती वर्षा खांगवाल ने बुधवार को राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, गुरुग्राम में परिषद से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता और शिक्षक प्रशिक्षण को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यह केवल प्रशिक्षण का मामला नहीं, बल्कि एक पूरी पीढ़ी को शिक्षित करने की जिम्मेदारी है। ऐसे में किसी भी स्तर पर ढिलाई या औपचारिकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों की सीखने की क्षमता का नियमित मूल्यांकन किया जाए, ताकि उनकी प्रगति का सही आकलन हो सके और आवश्यक सुधार किए जा सकें। बैठक में एससीईआरटी हरियाणा के अतिरिक्त निदेशक श्री सुनील बजाज, उपनिदेशक श्री अशोक बघेल, समस्त विभागाध्यक्ष सहित संकाय सदस्य मौजूद रहे।

शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुधारने पर विशेष फोकस

स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्रीमती वर्षा खांगवाल ने बैठक में शिक्षक प्रशिक्षण की कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा करते हुए कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र में ग्रुप डिस्कशन को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, ताकि शिक्षक आपस में अनुभव साझा कर सकें और बेहतर तरीके से सीख सकें।

पॉडकास्ट के माध्यम से अच्छे शिक्षकों को मिलेगा मंच

बैठक में श्रीमती वर्षा खांगवाल ने एक नई पहल के रूप में सुझाव दिया कि जो प्रिंसिपल और शिक्षक बेहतर कार्य कर रहे हैं, उनके अनुभवों और नवाचारों को साझा करने के लिए पॉडकास्ट शुरू किए जाएं। उन्होंने कहा कि पॉडकास्ट के माध्यम से अन्य शिक्षकों को भी प्रेरणा मिलेगी और वे नए तरीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित होंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक पॉडकास्ट में एक नया और प्रासंगिक विषय शामिल किया जाए, जिसमें संबंधित विषय के जटिल प्रश्नों के सरल और प्रभावी उत्तर भी दिए जाएं। इससे न केवल शिक्षकों को लाभ होगा, बल्कि विद्यार्थियों में भी इन पॉडकास्ट को देखने और समझने की रुचि बढ़ेगी।

टीचर ट्रेनिंग और बच्चों की लर्निंग पर समान फोकस जरूरी

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार बच्चों की करेक्टिव लर्निंग पर जोर दिया जा रहा है, उसी प्रकार शिक्षकों की ट्रेनिंग पर भी उतना ही ध्यान देने की आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एक सक्षम और प्रशिक्षित शिक्षक ही विद्यार्थियों के भविष्य को बेहतर दिशा दे सकता है। इसलिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों को केवल औपचारिकता न मानकर उन्हें प्रभावी और उपयोगी बनाया जाए, ताकि शिक्षा व्यवस्था में वास्तविक सुधार देखने को मिले।

अंदाजा नहीं था कि 'एसके सर' इतना बड़ा चेहरा बनेगा, 'एस्पिरेंट्स' की सफलता पर बोले अभिलाष थपलियाल

लॉकडाउन के दौरान आई सीरीज 'एस्पिरेंट्स' ने पहले ही सीजन से ऑडियंस के बीच जबरदस्त पहचान बना ली थी। 'एसके सर' का किरदार आज भी लोगों के बीच काफी पॉपुलर है। 'अमर उजाला' से खास बातचीत में 'श्वेतकेतु' यानी अभिलाष थपलियाल ने बताया कि 'एस्पिरेंट्स' की सफलता के बाद अब कलाकारों की अपनी-अपनी वैनिटी वैन हो गई है। बातचीत में उन्होंने तापसी पन्नू, अनुराग कश्यप, रेडियो और अपने सफर को लेकर भी कई दिलचस्प बातें साझा कीं।

'मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि 'एसके सर' इतना बड़ा हो जाएगा'

जब हम एस्पिरेंट्स का पहला सीजन कर रहे थे, तब मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि 'एसके सर' इतना बड़ा चेहरा बन जाएगा। बस इतना पता था कि कहानी बहुत अच्छी है और UPSC की दुनिया पर आधारित है। उस समय यह बिल्कुल नहीं लगा था कि यह सीरीज लोगों के बीच इतनी गहराई से जुड़ जाएगी। हमें तो यह भी नहीं पता था कि शो किस प्लेटफॉर्म पर आएगा। बाद में यह यूट्यूब पर रिलीज हुआ और लॉकडाउन के दौरान लोगों ने इसे खूब देखा। शायद यही वजह रही कि एस्पिरेंट्स धीरे-धीरे लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गया। आज भी एयरपोर्ट, कॉलेज या कहीं भी जाऊं, लोग मुझे 'एसके सर' कहकर बुलाते हैं।

'मैं जमीन पर नागिन डांस कर रहा था... और एक सेकंड को लगा कि मैं फिट नहीं हूं'

पहले दिन सेट पर माहौल बहुत हल्का-फुल्का था। मैं तो मस्ती में जमीन पर नागिन डांस कर रहा था और सब हंस रहे थे। लेकिन उसी बीच एक ऐसा मजेदार और थोड़ा टफ मोमेंट भी आया, जो आज भी याद है। नवीन (को स्टार नवीन कस्तूरिया) ने मजाक-मजाक में डायरेक्टर से कहा, 'ये एसके लग नहीं रहा, किसी और को ट्राय करो।' अब वो मजाक था, लेकिन एक पल के लिए मुझे सच में लगा कि यार, कहीं मैं फिट तो नहीं बैठ रहा? ऐसे मोमेंट्स आपको और मेहनत करने के लिए धक्का देते हैं। बाद में वही किरदार लोगों को इतना पसंद आया कि आज सब मुझे 'एसके सर' के नाम से जानते हैं। मेरे लिए सबसे बड़ा चैलेंज था अपनी भाषा और लहजे पर काम करना। मुझे एक ऐसे लड़के को निभाना था जो बिहार से है, लेकिन दिल्ली में रहकर पढ़ाई कर रहा है। उसमें बैलेंस बनाना था कि वो पूरी तरह देहाती भी न लगे और पूरी तरह शहरी भी नहीं। हमने इस पर काफी मेहनत की। 'सबसे बड़ा बदलाव बस इतना आया कि अब सबकी अपनी-अपनी वैनिटी वैन है'

तापसी बहुत पुरानी दोस्त है... लेकिन ..'

तापसी का सपोर्ट मेरे लिए अलग इसलिए था, क्योंकि वो मेरी बहुत पुरानी दोस्त है। हम दोनों जब मुंबई में नए थे, तब से एक-दूसरे को जानते हैं। लेकिन दोस्ती से हटकर भी, एक कलाकार के तौर पर मैं उन्हें बहुत मानता हूं। उन्होंने हमेशा अलग और दमदार काम चुना है। ऑफ स्क्रीन भी वो वैसी ही हैं। बहुत साफ, बहुत सीधी। इंडस्ट्री में अगर मेरे करीबी दोस्तों की बात होगी, तो तापसी उनमें जरूर होंगी। मुझे पता है कि अगर मैं कभी उलझूं, तो वो मुझे घुमा-फिराकर नहीं, सीधी बात ही कहेंगी।

'पहली मुलाकात में ही मैंने कह दिया था कि मैं फिल्म छोड़ देता हूं'

तापसी पन्नू के साथ मेरी पहली ठीक-ठाक मुलाकात भी किसी फिल्मी सीन से कम नहीं थी। यह 'दिल जंगली' की शूटिंग के दौरान हुआ, जब हम लंदन में थे। उस वक्त मैं नया था, छोटे-छोटे काम कर रहा था, रेडियो और स्केचेज की दुनिया से आ रहा था। तापसी उस फिल्म में भी अपने किरदार को लेकर बहुत सीरियस थीं। वह उन एक्टर्स में से हैं जो अपने रोल के लिए जो भी करना पड़े, वह करती हैं। उस फिल्म के लिए उन्होंने अपने लंबे बाल कटवा लिए थे। अब हुआ ये कि एक दिन वह सामने आईं और अचानक मुझसे पूछने लगीं, 'तुमने देखा? मैंने बाल कटवा लिए, कुछ बोलोगे नहीं?' और फिर न जाने कैसे बात मजाक से बहस में बदल गई। वह मुझे डांटने लगीं, मैं भी पलटकर जवाब देने लगा। कुछ ही देर में हम दोनों एक-दूसरे पर ऊंची आवाज में बात कर रहे थे।

'मुझे भी लंबे समय तक 'हीरो के दोस्त' वाले रोल मिलते रहे'

हमारी इंडस्ट्री की एक दिक्कत ये है कि वो बहुत जल्दी आपको एक खाने में डाल देती है। ये हीरो है, ये हीरो का दोस्त है, ये विलेन है, ये अमीर है, ये गरीब है... बस फिर उसी हिसाब से रोल आने लगते हैं। मेरे साथ भी ऐसा हुआ। शुरुआत में मुझे भी अक्सर 'हीरो के दोस्त' वाले रोल मिलते थे। दिक्कत रोल से नहीं होती, दिक्कत तब होती है जब लोग मान लेते हैं कि तुम बस इतना ही कर सकते हो। फिर धीरे-धीरे आपको खुद ही समझाना पड़ता है कि नहीं, मैं इससे ज्यादा भी कर सकता हूं। असली लड़ाई वहीं से शुरू होती है। क्योंकि लोग आपको जिस नजर से देखते हैं, जरूरी नहीं कि आप सच में वही हो।

राका सिर्फ एक फिल्म नहीं, मेरे भीतर सालों से पल रहा एक हिस्सा है

भारतीय सिनेमा को कई ब्लॉकबस्टर दे चुके फिल्मकार एटली कुमार, अब अपनी आगामी फिल्म राका के साथ एक बेहद निजी और भावनात्मक सफर पर निकल चुके हैं। हालांकि फिल्म के टाइटल अनाउंसमेंट के बाद से ही वे एक बार फिर जबरदस्त चर्चा का विषय बन गए हैं, लेकिन इस प्रोजेक्ट को ख़ास बनाती हैं, इससे जुड़ी उनकी भावनाएं।

'राका' के सफर के बारे में बात करते हुए एटली कुमार कहते हैं, 'राका सिर्फ एक फिल्म नहीं है... ये मेरे अंदर का वो हिस्सा है जिसे मैंने सालों तक संभालकर रखा। 18 साल तक मैं एक आइडिया से जुड़ा रहा, उसे कभी फीका नहीं पड़ने दिया। इसने मुझे परखा, मुझे गढ़ा, और हर दौर में मेरे साथ रहा। और सच कहूं... 'राका' के साथ ये तो बस शुरुआत है।' गौरतलब है कि 'राका' से जुड़ा उनका यह बयान उनके क्रिएटिव प्रोसेस की एक झलक देता है, जहां सिर्फ भव्यता ही नहीं, बल्कि गहरी भावनाएं भी शामिल हैं। हालांकि बीते वर्षों में एटली ने अपने कलाकारों को दमदार और करियर-डिफाइनिंग किरदारों में पेश करने की पहचान बनाई है, साथ ही ऐसे बड़े एंटरटेनर्स दिए हैं, जो हर तरह के दर्शकों से जुड़ते रहे हैं।

फिलहाल 'राका' के साथ वह इस विज़न को एक नए स्तर पर ले जा रहे हैं, जहां इमोशन, स्केल और कहानी का संगम एक ग्लोबल ऑडियंस को ध्यान में रखकर रचा गया है। सिर्फ यही नहीं 'राका' अल्लू अर्जुन के साथ उनकी बहुप्रतीक्षित साझेदारी भी है, जिसमें वे एक अवतार में नजर आनेवाले हैं। अपने ऑन-स्क्रीन प्रेजेंस को लगातार नया रूप देने के लिए मशहूर अल्लू अर्जुन और एटली की जोड़ी ने 'राका' को पहले ही सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में शामिल कर दिया है। हालांकि मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी कई जानकारियां अभी तक छिपाकर रखी हैं, लेकिन टाइटल अनाउंसमेंट ने ही इस दुनिया को लेकर दर्शकों में जबरदस्त जिज्ञासा पैदा कर दी है। अगर एटली की बातों पर भरोसा किया जाए, तो 'राका' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि सालों की मेहनत और विज़न का नतीजा है, जो अब सबसे बड़े मंच पर सामने आने को तैयार है। और जैसा कि एटली कुमार कहते हैं, यह तो बस शुरुआत है।

इन्फ्लूएंसर्स को लेकर एक्टर्स का गुस्सा जायज

साउथ दिल्ली वाली आंटी की मिमिक्री करके सोशल मीडिया स्टार बनी इंफ्लूएंसर कुशा कपिला अब ऐक्टिंग की दुनिया में रम चुकी हैं। 'थैंक यू फॉर कमिंग' और 'सुखी' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं कुशा इन दिनों वेब सीरीज 'मामला लीगल है 2' को लेकर चर्चा में हैं।

जैसी जिंदगी जी, वैसे ही जीना चाहूंगी

सोशल मीडिया स्टार्स की जिंदगी अक्सर एक खुली किताब होती है, जिसके चलते उन्हें जजमेंट, ट्रोलिंग भी झेलनी पड़ती है। कुशा को भी डिवॉर्स से अपने बिजनेस से जुड़े पोस्ट पर ट्रोल किया गया है। इन चीजों को वह कैसे लेती हैं? इस बारे में उनका कहना है, 'असल में निजी जिंदगी को कितना निजी रखना है, यह आप काम करते-करते सीखते हैं। लोग अक्सर ये भूल जाते हैं कि क्रिएटर्स भी उनके बीच से ही आए हैं। हम किसी बैकग्राउंड से नहीं आए हैं। हमको ये लगा कि हम कैमरे पर कुछ कर सकते हैं। खुद ही एडिट करके, अलग-अलग किरदार निभा सकते हैं तो शुरुआती जोश में हम बह भी जाते हैं और उसे मैं गलती नहीं बोलूंगी। आप किसी आर्टिस्ट को भी देखें तो अपने शुरुआती सालों में वे निडर होते हैं। फिर थोड़े-थोड़े बैरिकेड्स लगाने लगाते हैं।

हम क्रिएटर्स की पहली पीढ़ी हैं तो हम भी उस मुकाम पर खड़े हैं

इन दिनों फिल्म इंडस्ट्री में टैलंट के बजाय सोशल मीडिया फॉलोअर्स देखकर कास्टिंग करने को लेकर भी बहस चल रही है। कई ऐक्टर्स इस पर ऐतराज भी जता चुके हैं। कुशा इस पर ऐक्टर्स को सपोर्ट करते हुए कहती हैं, 'ऐक्टर्स का यह गुस्सा बिल्कुल जायज है कि किसी क्रिएटर या इन्फ्लूएंसर्स को केवल मार्केटिंग के लिए हायर किया गया है। इस पर मैं ऐक्टर्स के साथ हूं, लेकिन ये भी हो सकता है कि कुछ क्रिएटर्स ऐक्टिंग में आना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि अपने पांच सेकंड, 15 सेकंड के रील से ज्यादा कुछ बनाए। आप देखें तो हम एकदम शुरुआती क्रिएटर्स में से हैं। हम क्रिएटर्स की पहली पीढ़ी हैं तो हम भी उस मुकाम पर खड़े हैं कि आगे क्या करना है। ऐसे में, हममें से कुछ लोगों का बहुत ही नैचरल महत्वाकांक्षा ऐक्टर बनना हो सकती है तो आपको एक कदम पीछे लेकर सोचना चाहिए कि आप किस तरह के रोल, कैसे प्रॉजेक्ट करना चाहेंगे। आप एक-दो साल जाकर सीखिए। वर्कशॉप कीजिए, ऑडिशन कीजिए। फेल होइए। मुझे मुंबई आए तीन साल हो गए और मैंने बहुत शांति से सीख रही हूं। मैंने वो प्रक्रिया शुरू कर दी है और इसमें लग जाएंगे बीस-पच्चीस साल।

राका बनकर डराएंगे अल्लू अर्जुन!

साथ होंगी दीपिका पादुकोण

साउथ के बेहतरीन एक्टर अल्लू अर्जुन ने अपने जन्मदिन पर अपने फैंस को तोहफा दिया है। मेकर्स के साथ मिलकर उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म का नाम और पोस्टर रिवील किया है। पहले उनकी इस फिल्म को AA22×A6 के नाम से जाना जाता था। फैंस को फिल्म का नया नाम और पोस्टर काफी पसंद आ रहा है। इस पर उन्होंने रिएक्शन दिए हैं।

क्या है फिल्म का नाम

मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट की है। इस पोस्ट में फिल्म का पोस्टर रिवील किया गया है। इसके साथ ही फिल्म का नाम भी बताया गया है। पोस्टर कई भाषाओं में रिलीज किया गया है। इसमें अंग्रेजी और हिंदी जैसी भाषाएं भी शामिल हैं। पोस्ट शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा है AA22×A6 का नाम अब राका है। खुद को सीमाओं से आगे देखने के लिए तैयार करें।' इसमें अल्लू अर्जुन, एटली और दीपिका पादुकोण को टैग किया गया है।

पोस्टर में क्या है

'राका' के पोस्टर में देखा जा सकता है कि अल्लू अर्जुन का आधा चेहरा नजर आ रहा है। अपने चेहरे को उन्होंने छुपाया है। उनके चेहरे के आगे किसी जानवर का पंजा है, जो काफी डरावना लग रहा है। उनके सर पर बाल नहीं हैं। उनकी भौहें बनी हुई हैं। उनके माथे पर एक अलग तरह का निशान है जो उन्हें एक नॉर्मल इंसान से अलग करता है।

यूजर्स ने दिए रिएक्शन

अल्लू अर्जुन की अपकमिंग फिल्म के पोस्टर पर रिएक्शन देते हुए एक फैन ने लिखा 'ये तो हॉलीवुड के टक्कर का है।' एक और यूजर ने लिखा है 'राका का इंतजार है।' एक और यूजर ने लिखा 'इंडस्ट्री का एक ही भाई, अल्लू भाई।' एक और यूजर ने लिखा 'वाव क्या पोस्टर है।'

फिल्म की स्टारकास्ट

अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म 'राका' का निर्देशन एटली कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ लीड रोल में दीपिका पादुकोण होंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें रश्मिका मंदाना, मृणाल ठाकुर, जान्हवी कपूर और राम्या कृष्णन नजर आ सकती हैं।

सलमान खान के राइट हैंड बनेंगे राजपाल यादव!

भाईजान की अगली एक्शन फिल्म में हुई एक्टर की एंट्री

अपनी कॉमेडी से दर्शकों का दिल जीतने वाले राजपाल यादव बीते कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में हैं। चेक बाउंस से जुड़े एक मामले में उन्हें तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करना पड़ा था। फिलहाल उन पर कर्ज है। इस बीच बीते दिनों एक अवॉर्ड शो में कथित तौर पर उनका मजाक उड़ाया गया था। इसके बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर राजपाल यादव को सपोर्ट किया था। भाईजान ने अब राजपाल के प्रति एक बार फिर दरियादिली दिखाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान की अगली फिल्म में राजपाल यादव की एंट्री हो गई है। सलमान खान इन दिनों अपनी वॉर ड्रामा फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म के बाद वे निर्माता दिल राजू और निर्देशक वामशी पेडिपल्ली के साथ एक्शन फिल्म में काम करेंगे। फिल्म का नाम फिलहाल तय नहीं है। इसमें सलमान के साथ नयनतारा नजर आएंगी। वहीं, फिल्म की कास्ट में एक नए नाम के जुड़ने की अटकलें भी हैं। राजपाल यादव को फिल्म में लिया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान ने कथित तौर पर राजपाल यादव को अपनी अगली एक्शन एंटरटेनर फिल्म में एक अहम किरदार निभाने के लिए साइन किया है।

पहले भी साथ काम कर चुके हैं सलमान और राजपाल यादव सलमान की अगली फिल्म को लेकर रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राजपाल यादव इस फिल्म में सलमान खान के राइट हैंड बने दिखेंगे। कहानी में दोनों के बीच कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। रिपोर्ट में आगे यह भी कहा गया है कि सलमान, राजपाल को खास तौर पर पसंद करते हैं और उनका मानना है कि इस रोल के लिए राजपाल एकदम सही हैं। बता दें कि राजपाल यादव और सलमान को पहले भी 'मुझसे शादी करोगी' और 'पार्टनर' जैसी फिल्मों में साथ देखा गया है। अब दोनों को एक बार फिर साथ देखना दिलचस्प होगा। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

बता दें कि बीते दिनों एक अवॉर्ड कंट्रोवर्सी के बाद सलमान खान ने सोशल मीडिया पर राजपाल यादव की खुलकर तारीफ की और अपना समर्थन जताया था। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट शेयर किया था और लिखा, 'राजपाल भाई आप 30 साल से काम कर रहे हो और हम सबने आपको रिपीट किया है बार-बार, क्योंकि आप अपना काम जानते हों और एक वैल्यू लाते हो।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com